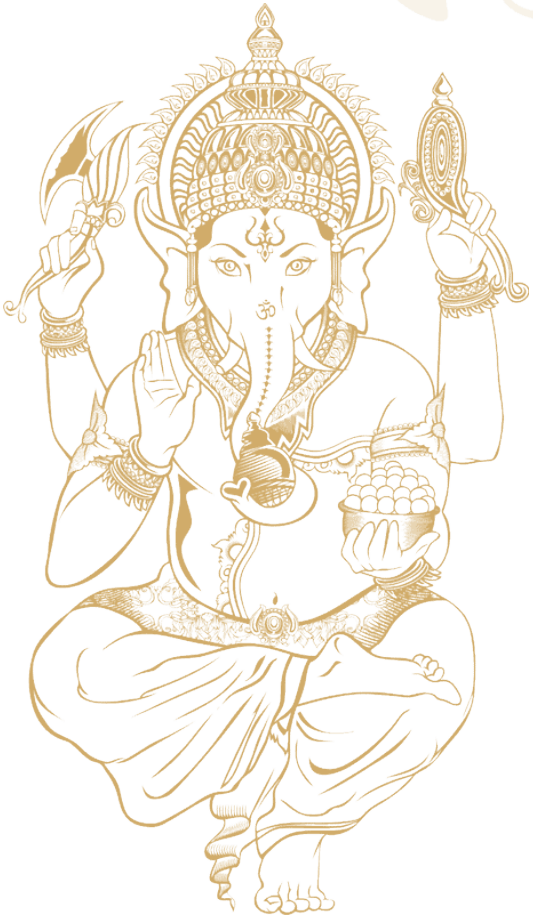

Bhumija/ ?????? ??????

09 Apr 2026

10:41 AM

Jaitaran

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881013

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:41:00 घंटे**
इष्ट	10:59:26 घटी
स्थान	**Jaitaran**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	74:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:07:00 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	23:16:52 घंटे
सूर्योदय	06:17:13 घंटे
सूर्यास्त	18:54:28 घंटे
दिनमान	12:37:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:08:25 मीन
लग्न के अंश	07:11:46 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:11:46	329:04:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	25:08:25	00:58:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	14:16:03	11:56:23	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	05:18:23	00:46:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	28:00:36	01:12:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	22:11:08	00:05:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	17:30:38	01:13:34	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:20:19	00:07:22	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:50:51	00:02:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:50:51	00:02:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:54:37	00:02:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:17:00	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:06:33	00:00:46	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	24:02:57	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

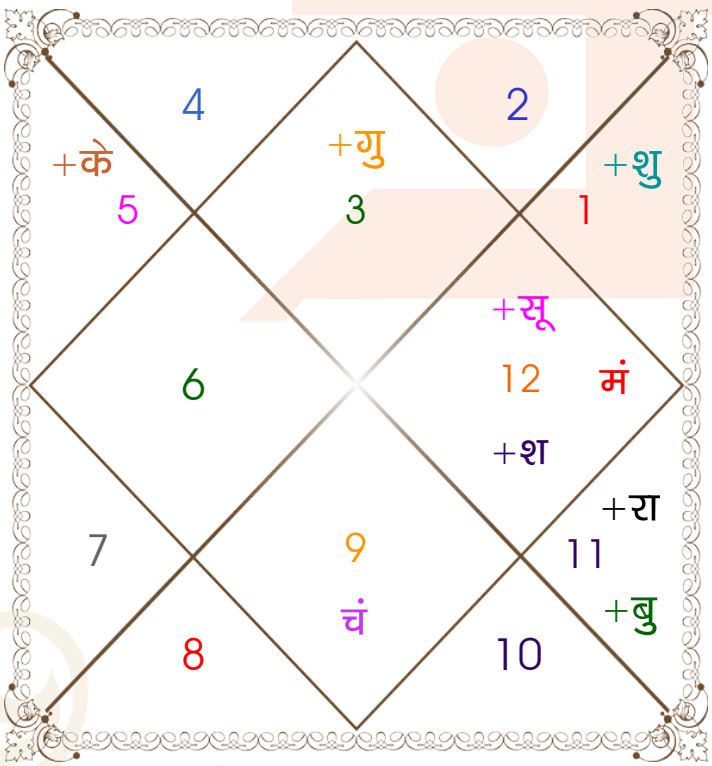

चन्द्र कुंडली

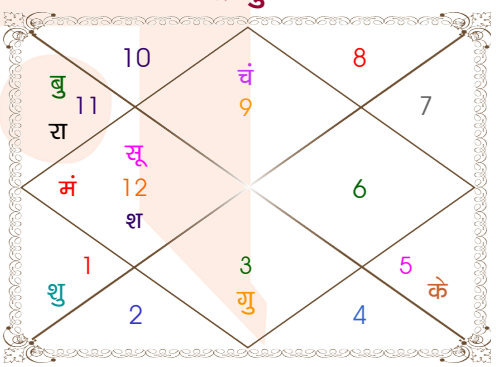

नवमांश कुंडली

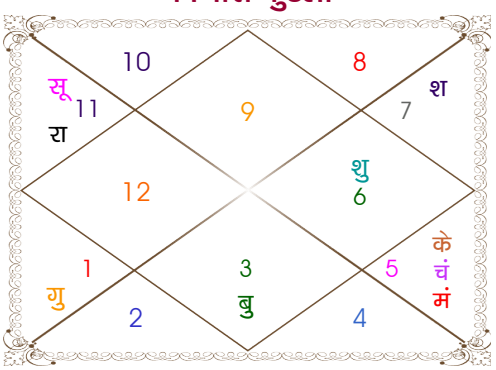

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 7 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/04/2026		13/11/2044		14/11/2050		13/11/2060		14/11/2067	
13/11/2044		14/11/2050		13/11/2060		14/11/2067		13/11/2085	
शुक्र	15/03/2028	सूर्य	03/03/2045	चंद्र	14/09/2051	मंगल	11/04/2061	राहु	27/07/2070
सूर्य	15/03/2029	चंद्र	01/09/2045	मंगल	14/04/2052	राहु	30/04/2062	गुरु	20/12/2072
चंद्र	14/11/2030	मंगल	07/01/2046	राहु	14/10/2053	गुरु	06/04/2063	शनि	27/10/2075
मंगल	14/01/2032	राहु	02/12/2046	गुरु	13/02/2055	शनि	15/05/2064	बुध	15/05/2078
राहु	14/01/2035	गुरु	20/09/2047	शनि	13/09/2056	बुध	12/05/2065	केतु	03/06/2079
गुरु	14/09/2037	शनि	01/09/2048	बुध	13/02/2058	केतु	08/10/2065	शुक्र	02/06/2082
शनि	13/11/2040	बुध	09/07/2049	केतु	14/09/2058	शुक्र	08/12/2066	सूर्य	27/04/2083
बुध	14/09/2043	केतु	13/11/2049	शुक्र	15/05/2060	सूर्य	15/04/2067	चंद्र	26/10/2084
केतु	13/11/2044	शुक्र	14/11/2050	सूर्य	13/11/2060	चंद्र	14/11/2067	मंगल	13/11/2085

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/11/2085		14/11/2101		14/11/2120		14/11/2137		14/11/2144	
14/11/2101		14/11/2120		14/11/2137		14/11/2144		00/00/0000	
गुरु	02/01/2088	शनि	17/11/2104	बुध	13/04/2123	केतु	13/04/2138	शुक्र	10/04/2146
शनि	15/07/2090	बुध	28/07/2107	केतु	09/04/2124	शुक्र	13/06/2139		00/00/0000
बुध	20/10/2092	केतु	05/09/2108	शुक्र	08/02/2127	सूर्य	19/10/2139		00/00/0000
केतु	26/09/2093	शुक्र	06/11/2111	सूर्य	15/12/2127	चंद्र	19/05/2140		00/00/0000
शुक्र	27/05/2096	सूर्य	18/10/2112	चंद्र	16/05/2129	मंगल	15/10/2140		00/00/0000
सूर्य	15/03/2097	चंद्र	19/05/2114	मंगल	13/05/2130	राहु	02/11/2141		00/00/0000
चंद्र	15/07/2098	मंगल	28/06/2115	राहु	29/11/2132	गुरु	09/10/2142		00/00/0000
मंगल	21/06/2099	राहु	04/05/2118	गुरु	07/03/2135	शनि	18/11/2143		00/00/0000
राहु	14/11/2101	गुरु	14/11/2120	शनि	14/11/2137	बुध	14/11/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 7 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।